MAHD-04

December - Examination 2025
M.A. (Previous) Examination
HINDI
काव्यशास्त्र एवं समालोचना
Paper : MAHD-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   (i) आचार्य जगन्नाथ के अनुसार काव्य की परिभाषा बताइए।
   (ii) प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य में दो अंतर लिखिए।
   (iii) ध्वनि को काव्य की आत्मा मानने वाले आचार्य कौन हैं?
   (iv) प्रसाद गुण का संबंध किस रीति से माना गया है?
   (v) साधारणीकरण किस सिद्धांत से संबंधित है?
   (vi) आलंबन विभाव और उद्दीपन विभाव में अंतर बताइए।
   (vii) पाठालोचन से क्या आशय है?
   (viii) क्रोचे के प्रमुख काव्य सिद्धांत का नाम लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. काव्य के प्रमुख लक्षणों का विवेचन कीजिए।
3. भारतीय आचार्यों की दृष्टि में काव्य–हेतु क्या है? समझाइए।
4. वक्रोक्ति को काव्य की आत्मा मानने के पक्ष में तर्क दीजिए।
5. रस निष्पत्ति की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।
6. साधारणीकरण का आशय स्पष्ट करते हुए इसके व्याख्याकारों का परिचय दीजिए।
7. अरस्तू के विरेचन सिद्धांत की तार्किक समीक्षा कीजिए।
8. मार्क्स के साहित्य–सिद्धांत की वर्तमान में उपादेयता पर अपने विचार लिखिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

9. अलंकार सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए काव्य की आत्मा संबंधी मत की समीक्षा कीजिए।

10. काव्य–प्रयोजन की परिभाषा देते हुए इसके महत्त्व का विवेचन कीजिए।

11. रस–निष्पत्ति सूत्र की व्याख्या करते हुए इसके अवयवों का विवेचन कीजिए।

12. स्वच्छंदतावाद आलोचना सिद्धांत की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।